





।। भी गणेशाय नमः।। विध्न हरण मंगल करण, बी गणपति महाराज। प्रयम निमन्यण आपको, पुरण करियो काजत

दिसम्बर की खुबसूरत रात होगी, और श्या सुन्दर बारात होगी। कितना खुबसूरत वी पल होगा, जब दुल्हन 'हिना' दुल्हें 'हिनारों' के साथ होगी।

परमिता परमेश्वर की असीम अनुकम्पा से श्रीमती संगम एवं श्री आलोक रस्तौगी अपनी सुपुत्री

आयु० हिना (सुपोत्री स्व. श्रीमती एवं श्री नारावण दास रस्तौगी)

चि० हिमांशु

(सुपुत्र श्रीमती गीता एवं श्री सुशील कुमार श्रीवास्तव) निवासी फैजाबाद

!! शुभ विवाहोत्सव !! की मधुर बेला पर आप सादर आमन्त्रित हैं। कृपया प्रधारकर नव-युगल को अपने आशीर्वाद की मृदुल ज्वोत्सना से अनिसिधित कर हमें अनुप्रहीत करें।

> विनीतः मयक - इवेता मुकेश - शालिनी अमिषेक - सुरीति अभिनव, रोहन निहार, निशाल, आदिल





